CSU Internship – Dharohar 2024

धरोहर द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में आप सभी के अच्छे अनुभव के लिए कुछ जानकारी:

1. झीलों की नगरी उदयपुर में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। उदयपुर अपने नैसर्गिक सौन्दर्य और ऐतिहासिक धरोहर के लिए भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। इस शहर के बारे में आप google से जानकारी ले सकते हैं।
2. प्रशिक्षण के बारे में हमारा flyer अवश्य देखें।
3. प्रशिक्षण की अवधि – आरम्भ 10 जून 2024 सवेरे 9 बजे; समाप्त 19 जुलाई 2024 दोपहर 1:30 बजे।
4. सोमवार से शुक्रवार प्रशिक्षण रहेगा, शनिवार तथा रविवार को अवकाश होगा। कुल 30 working days का प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
5. Stipend – ₹20,000, कार्यक्रम के अन्तिम दिन, कार्यक्रम के प्रमाणपत्र के साथ वितरित किया जाएगा।
6. 30 working days में से 27 दिन की उपस्थिति stipend व certificate के लिये अनिवार्य है। असाधारण परिस्थितियों में अनुपस्थिति पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।
7. धरोहर में सन् 2024-25 के वित्त वर्ष में 15-20 cataloguers की नियुक्तियां होनी हैं। उपयुक्त पाए गए प्रशिक्षणार्थियों को इन नियुक्तियों के लिए चुना जा सकता है।
8. प्रशिक्षण का स्थान – Dharohar, G1-3 IT Park, Madri Indistrial Area, Udaipur
9. आवास – प्रशक्षणार्थी के खर्चे पर। धरोहर आवास स्थान ढूंढने में सहायता करेगा। होटल, धर्मशाला, पेइंग गैस्ट, एक से अधिक जनों में शैरिंग, सभी प्रकार की सुविधाएं उदयपुर में उपलब्ध हैं। आपके बजट अनुसार आवास मिल सकता है। आप WhatsApp पर मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं।
10. भोजन – दो समय की चाय और दोपहर का भोजन निःशुल्क धरोहर ऑफिस में। अन्य भोजन व्यवस्था स्वयं की इच्छानुसार आप को करनी होगी। उदयपुर में भोजन के कई विकल्प हैं।
11. परिवहन - स्वयं से करना होगा। ऑटोरिक्षा, ऊबर, बाइक टैक्सी सभी प्रकार के साधन उदयपुर में उपलब्ध हैं।
12. प्रशिक्षण सामग्री – प्रशिक्षण के दौरान काम आने वाली सभी सामग्री धरोहर देगा। प्रशिक्षण में धरोहर के लॅपटॉप आप के लिये उपलब्ध होंगे।
13. प्रशिक्षण एक अनुभवात्मक तरीके कमप्यूटर से दिया जाएगा। कार्यक्रम में आपका निम्न कौशल ग्रहण कर सकेंगे:
    a. पांडुलिपियों को धाराप्रवाह पढ़ना
    b. संस्कृत को देवनागरी में सटीक ढंग से टाइप करना
    c. पांडुलिपि के पन्नों को सही क्रम में व्यवस्थित करना और विभिन्न प्रकार के पन्नों को पहचानना
    d. पांडुलिपि के महत्वपूर्ण भागों की पहचान करना और उन्हें डिजिटल रूप से प्रतिलेखित करना
    e. पांडुलिपि के मेटाडेटा को पहचानना

f. पांडुलिपि के बारे में मेटाडेटा ढूंढने में पुष्पिका का उपयोग करना
g. जटिल पांडुलिपियों की व्याख्या करना और सूचीकरण तैयार करना
h. शोध उद्देश्यों के लिए पांडुलिपि से संबंधित कमप्यूटर संसाधनों का उपयोग करना
i. अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करना
j. धरोहर की विवरणात्मक सूचिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझना